AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में स्नातक स्तर तक चलेंगे सिर्फ ऑनर्स कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में संचालित बीए, बीएससी और बीकॉम पाठ्यक्रम के स्वरूप में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब स्नातक स्तर पर सिर्फ ऑनर्स पाठ्यक्रम ही संचालित करने की तैयारी है, जबकि कॉलेजों में सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रमों का यथावत जारी रहेंगे। ये सभी पाठ्यक्रम रेग्युलर मोड में संचालित होंगे। मतलब, विद्यार्थियों को इसके लिए अतिरिक्त फीस नहीं देनी होगी। ऑनर्स पढ़ने दूसरे शहर में जाने वाले विद्यार्थी अब लविवि में ही दाखिला ले सकेंगे। इस तरह स्टूडेंट दूसरे शहर जाने की जहमत से बच जाएंगे और लविवि को मेधावी विद्यार्थी भी मिलेंगे।

लविवि में इस समय बीए, बीएससी और बीकॉम के सामान्य पाठ्यक्रम संचालित हैं। विद्यार्थियों में ऑनर्स कोर्स की काफी मांग है। इसको देखते हुए लविवि ने भी बीए ऑनर्स और बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई शुरू की है। हालांकि ये अभी स्व वित्तपोषित प्रणाली पर हैं। महंगी फीस की वजह से सभी विद्यार्थी इनमें दाखिला नहीं ले पाते हैं। इसको देखते हुए लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी स्नातक पाठ्यक्रम समय की मांग को देखते हुए ऑनर्स के रूप में चलाने की योजना तैयार की है। लविवि यह बदलाव सिर्फ परिसर में चलने वाले पाठ्यक्रम में ही करेगा। कॉलेजों में पहले की तरह सेमेस्टर प्रणाली के पाठ्यक्रम चलेंगे। इस तरह से लविवि अपनी विशिष्टता कायम रखेगा।

लविवि से जुड़ने हैं चार जनपद के कॉलेज

मुख्यमंत्री से सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर और रायबरेली जनपद के कॉलेज लविवि से जुड़ने हैं। इन जनपद के कॉलेजों में फिलहाल वार्षिक प्रणाली लागू है, जबकि लविवि के कॉलेजों में सेमेस्टर प्रणाली लागू है। सभी कॉलेजों में एक साथ ऑनर्स पाठ्यक्रम संचालित करना संभव नहीं है। इसके बाद लविवि ने यह नया प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव के अनुसार लविवि में सिर्फ ऑनर्स और कॉलेजों में सेमेस्टर पर आधारित पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

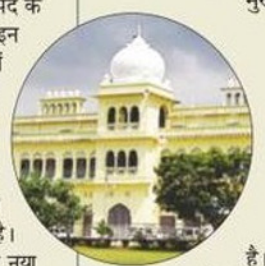

ऑनर्स में होती है विषय की विशिष्टता

ऑनर्स कोर्स सामान्य पाठ्यक्रम से इस मामले में अलग होते हैं कि इसमें किसी भी विषय की विशिष्टता होती है। पढ़ाई के दौरान उस विषय से संबंधित सभी आयाम और पेपर का अध्ययन होता है जबकि सामान्य पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर पर तीन विषय पढ़ाये जाते हैं। ऑनर्स में मुख्य विषय के साथ सहायक विषय हो सकते हैं पर मुख्य विषय पर ज्यादा फोकस होता है।

सेल्फ फाइनेंस के बाद भी ऑनर्स की मांग

लविवि में इस समय ऑनर्स पाठ्यक्रम स्व वित्तपोषित प्रणाली पर हैं। इसके बावजूद इनकी अच्छी मांग है। बीते दो साल में बीए ऑनर्स में विषय के विकल्प बढ़ने के बाद बीएससी के मुकाबले बीए में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इससे ये जाहिर है कि विद्यार्थियों में ऑनर्स पाठ्यक्रम को लेकर ज्यादा रुचि है।

> ऑनर्स पाठ्यक्रम समय की मांग है। विद्यार्थियों को ये पाठ्यक्रम रेग्युलर मोड में कम फीस में उपलब्ध होने चाहिए। इसलिए बीए, बीकॉम और बीएससी पाठ्यक्रम अब ऑनर्स के रूप संचालित होंगे। इसके लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे।
> **- प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति, लविवि